Bharat Temples

एक वार माँ आ जाओ

(देख तेरे भक्तों में, माँ किस कदर अंधेर है,
जल्द पर्दे से निकल, माँ करी क्यों देर है l
आजा कि जिंदगानी का, पहलु बदल न जाए,
कहीं तेरे आते आते, मेरा दम न निकल जाए ll)

एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना ll*
*एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना,
मईया,,, फिर आ के चली जाना,
हमे दरस दिखा जाओ ll, दिखला के चली जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना" l

तुमको मेरे गीतों का, संगीत बुलाए माँ ll
मईया,,, संगीत बुलाए माँ,
कुछ मेरी भी सुन जाओ ll, कुछ अपनी सुना जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना" l

जब जब भी बुलाओगी, दरबार में आऊँगा ll
मईया,,, दरबार में आऊँगा,
गर राह भटक जाऊँ ll, मुझे राह दिखा जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना" l

क्या मेरे तड़पने का, अहसास नहीं तुम को ll
मईया,,, अहसास नहीं तुम को,

किस बात पे रूठी हो ll, इतना तो बता जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना" l

अखियाँ मेरी रोती माँ, इन्हे धीर बंधा जाओ ll
मईया,,, इन्हे धीर बंधा जाओ,
मंझधार में है नईया ll, इसे पार लगा जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना" l
धीमी सुर में:-
मंझधार में है नईया ll, इसे पार लगा जाना,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना" l
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

Source: https://www.bharattemples.com/ek-vaar-maa-aa-jao/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw